केंद्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन
मुख्यालय कार्यालय, प्रयागराज
जनसम्पर्क विभाग

संख्या :
कोर/जी/पीआर/010 भाग-XXII

दिनांक 24.08.2020

प्रेस विज्ञप्ति

कोर की लखनऊ परियोजना ने रचा नया कीर्तिमान

केन्द्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन, प्रयागराज की लखनऊ परियोजना द्वारा कोविड-19 महामारी के बावजूद पहले अनलॉक प्रक्रिया के आरम्भ होने के साथ ही रेल विद्युतीकरण परियोजना लखनऊ ने भी विद्युतीकरण संबन्धित कार्य चरणबद्ध तरीके से प्रारम्भ किये गए। आरंभिक चरण में सामान्य बाधाओं यथा कामगारों की अनुपलब्धता संबन्धित समस्याओं का धीरे-धीरे निवारण करते हुए कार्य में बृद्धि पर जोर दिया गया। तमाम कार्यों के साथ ये अनुभव होता रहा कि कार्य की गति में और बृद्धि तथा परियोजना के अधिकारियों, कर्मचारियों और निविदा कर्मियों में अधिक उत्साह तथा आत्मविश्वास हेतु कार्य के किसी एक चरण में रिकार्डतोड़ सफलता प्राप्त करने की आवश्यकता है। सभी विकल्पों पर विचार करते हुए, 12 अगस्त 2020, को मास्टर इरेक्शन के पुराने कीर्तिमान को पार करने का लक्ष्य सुनिश्चित किया गया। पुराना कीर्तिमान समस्त परियोजनाओं द्वारा एक कार्य दिवस में 684 मास्ट इरेक्शन का तथा एक आरई ग्रुप में 502 मास्ट इरेक्शन का था जो अप्रैल 2018 में स्थापित किया गया था। नया लक्ष्य तय किया गया की एक आरई ग्रुप में 502 से अधिक तथा सम्पूर्ण परियोजना में सम्मिलित रूप में 1000 से अधिक ओएचई मास्ट एक कार्य दिवस में लगाए जाएं।

12 अगस्त को ही लखनऊ परियोजना ने निश्चित गति को बनाए रखते हुए फाउंडेशन कास्टिंग में शीर्ष स्थान प्राप्त किया है। कार्य योजना को तीन भागों में विभाजित किया गया। प्रथम भाग, चल स्टॉक (रेल क्रेन, वैगन तथा टावर वैगन/लोकोमोटिव) की उपलब्धता तथा उनके अनुरक्षण आवश्यकताओं की पूर्ति का था। इस हेतु दो वर्क ट्रेन जबलपुर इकाई से महोबा-खजुराहो तथा दुशरी गोरखपुर-आनन्द नगर खंड में भेजी गई। एक वर्क ट्रेन लखनऊ इकाई से महोबा भेजी गई रेल क्रेन को जोड़ने के लिए पुनः उसे पीलीभीत-टनकपुर खंड में भेजा गया। कार्ययोजना का दूसरा भाग विभिन्न रेल मंडलों से समन्वय का था। समन्वय के प्रथम चरण में वर्क ट्रेन को निर्धारित खंड में भेजने के लिए पश्चिम मध्य, उत्तर मध्य, उत्तर तथा पूर्वोत्तर जोनल रेलवे से समन्वय स्थापित किया गया।

कार्ययोजना के तीसरे चरण में ओएचई मास्ट की उपलब्धता तथा लक्षित रेल खंड के निश्चित बिन्दुओं पार उनके वितरण से संबन्धित था। तीनों चरणों से संबन्धित कार्यों के कुशलतापूर्ण निष्पादन के साथ 22 अगस्त को सभी लक्षित रेल खंडों में प्रातः 7:00 से कार्य आरम्भ कर दिया गया। कार्य दिवस की समाप्ती तक परियोजना के अन्तर्गत विभिन्न रेल खंडों में प्रगति की स्थिति इस प्रकार है:- गोरखपुर-आनन्द नगर-नवतनवा :

568, पीलीभीत-टनकपुर : 270, मैनपुरी-इटावा : 210, प्रतापगढ़-फाफामऊ : 209, उन्नाव-बालामऊ-सीतापुर : 184 एवं भंडाई-उड़ी : 101 इतने कार्य को निष्पादित करने में कुल दस वर्क ट्रेनों को लगाया गया। लखनऊ परियोजना ने एक दुरूह लक्ष्य को प्राप्त किया। इस पूरी प्रक्रिया में सभी चल स्टॉक के अनुरक्षण कार्य को पूर्ण किया, रेल मंडलों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित किया तथा सबसे महत्वपूर्ण सभी परियोजना अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ निविदाकर्मियों के उत्साह और आत्म विश्वास में अभिवृद्धि हुई जिसके परिणाम स्वरूप 1000 मास्ट इरेक्शन के लक्ष्य को न केवल पूर्ण किया बल्कि उससे भी आगे बढ़ कर इस संख्या को 1506 तक पहुंचाया।

महाप्रबन्धक/कोर श्री यशपाल सिंह, के मार्गदर्शन में इस कठिन लक्ष्य को प्राप्त किया जा सका है। उनका पूर्ण विश्वास है कि एक सफलता ऐसे ही अनेक असाधारण लक्ष्यों को साधने के मार्ग प्रशस्त करेगी और राष्ट्र के आधारभूत संरचना में केन्द्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन सतत योगदान देता रहेगा।

(अमिताभ शर्मा)
मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी
कोर/प्रयागराज